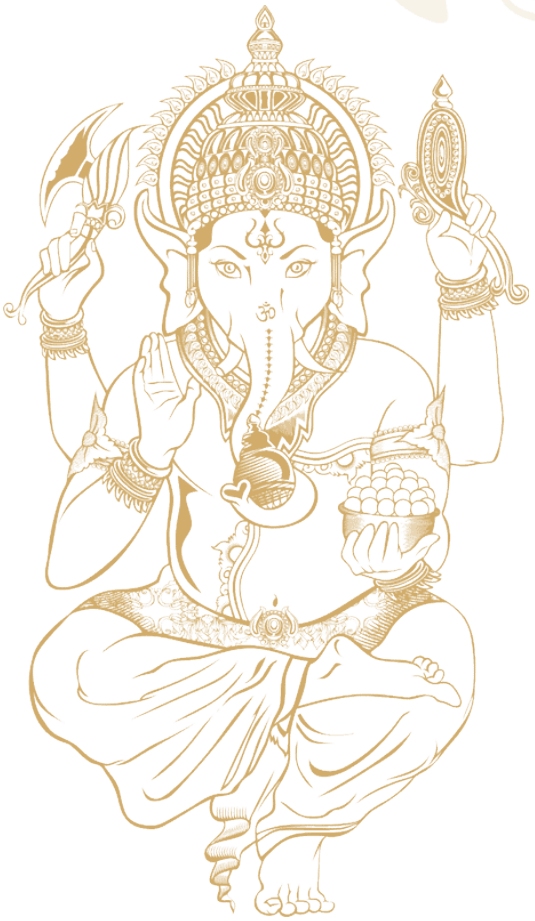

Aman

Disha jain

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121342425

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
02/08/1999	जन्म तिथि	19/11/1999
सोमवार	दिन	शुक्रवार
घंटे 14:09:00	जन्म समय	23:00:00 घंटे
घटी 21:07:00	जन्म समय(घटी)	40:47:43 घटी
India	देश	India
Agra	स्थान	Gohad
27:09:00 उत्तर	अक्षांश	26:25:00 उत्तर
78:00:00 पूर्व	रेखांश	78:26:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:18:00	स्थानिक संस्कार	-00:16:16 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:42:11	सूर्योदय	06:37:54
19:05:54	सूर्यास्त	17:25:10
23:50:53	चित्रपक्षीय अयनांश	23:51:04

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
शनि 2वर्ष 2मा 5दि		05:47:52	वृश्चि	लग्न	कर्क	21:16:15	शनि 3वर्ष 9मा 26दि	
शुक्र		15:46:56	कर्क	सूर्य	वृश्चि	03:04:56	केतु	
07/10/2025		15:08:06	मीन	चंद्र	मीन	13:59:03	15/09/2020	
07/10/2045		18:11:43	तुला	मंगल	मक	01:08:52	16/09/2027	
शुक्र	06/02/2029	05:27:51	कर्क व	बुध व	तुला	24:34:20	केतु	11/02/2021
सूर्य	06/02/2030	10:17:55	मेष	गुरु व	मेष	02:45:44	शुक्र	13/04/2022
चन्द्र	08/10/2031	11:04:13	सिंह व	शुक्र	कन्या	17:41:24	सूर्य	19/08/2022
मंगल	07/12/2032	22:39:50	मेष	शनि व	मेष	18:48:10	चन्द्र	20/03/2023
राहु	08/12/2035	19:06:10	कर्क	राहु व	कर्क	12:41:08	मंगल	16/08/2023
गुरु	08/08/2038	19:06:10	मक	केतु व	मक	12:41:08	राहु	03/09/2024
शनि	07/10/2041	21:11:02	मक व	हर्ष	मक	19:19:53	गुरु	10/08/2025
बुध	07/08/2044	08:56:22	मक व	नेप	मक	08:06:33	शनि	18/09/2026
केतु	07/10/2045	13:57:55	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	15:58:38	बुध	16/09/2027

लग्न-चलित

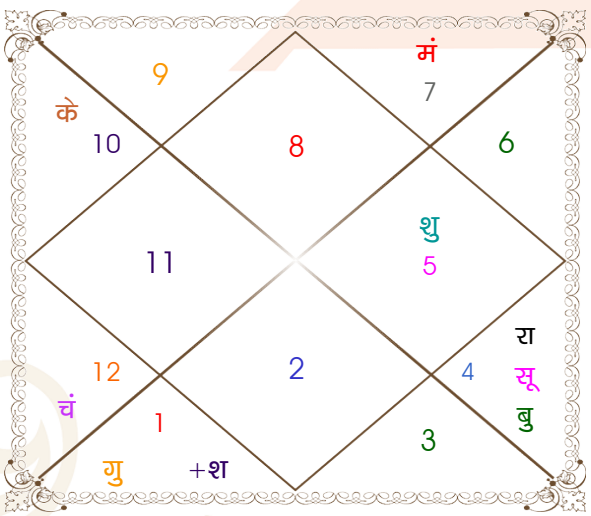

लग्न-चलित

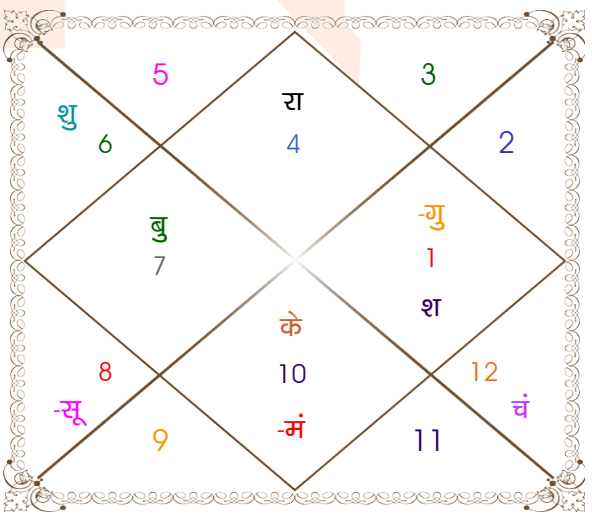

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	विप्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	जलचर	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	जन्म	जन्म	3	3.00	--	भाग्य
योनि	गौ	गौ	4	4.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	गुरु	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मीन	मीन	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	मध्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	28.00		

।उंद का वर्ग सिंह है तथा क्पेीं रंपद का वर्ग सिंह है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार ।उंद और क्पेीं रंपद का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

।उंद मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल ।उंद कि कुण्डली में द्वादश भाव में तुला राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

क्पेीं रंपद मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

यदि वर या कन्या की कुंडली में सप्तम भाव में मकर राशि में तथा अष्टम भाव में मीन राशि में मंगल हो तो मंगल का दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल क्पेीं रंपद कि कुण्डली में सप्तम् भाव में मकर राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल क्पैं रंपद कि कुण्डली में उच्च का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि ।उंद कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

।उंद तथा क्पैं रंपद में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।